# संस्कृतम् (ऐच्छिकम्) (कोड सं. 022)

# एकादशी XI

# पाठ्यक्रमः परीक्षानिर्देशाश्च (2020-21)

भाष्यते व्यवहारादिषु प्रयुज्यते इति भाषा, मानवः स्वमनसि विद्यमानान्  विचारान् भावनाः अनुभूतिं च अर्थयुक्तैः ध्वनिभिः लिखितसङ्केतैः च अभिव्यक्तयति सा भाषा। भाषा अभिप्रायप्रकटनस्य साधनम्। वस्तुतः लोके द्वयोः मनुष्ययोः मध्ये परस्परम् अवबोधनाय, भावग्रहणाय, भावविनिमयाय च भाषया विना न अन्यत् स्पष्टतमं सरलतमं च साधनं विद्यते। लोके बहव्यः भाषाः सन्ति यासु संस्कृतभाषा अतिप्राचीनतमा समृद्धा च अस्ति। संस्कृतभाषायाम् एव सन्ति ऋग्यजुस्सामाथर्वाःचत्वारः वेदाः, शिक्षा, व्याकरणं, निरुक्तं, ज्योतिषं, छन्दः कल्पः चेति षडङ्गानि, चतुर्दशविद्याः, विज्ञानम्, आयुर्वेदः, योगशास्त्रादयः ग्रन्थाः। अतः संस्कृतं केवलं भाषा न अपितु किञ्चन जीवनदर्शनम् इति। इयं विद्या (भाषा) भारतीयानां प्रतिष्ठात्मिका कामधेनुः समस्तज्ञानप्रदात्री,एक्यप्रदात्री, धर्मार्थकाममोक्षप्रदात्री च अस्ति। सृष्टेः आदितः अद्यावधिः यत् शिक्षणं ज्ञानविज्ञानं च अस्ति तत् सर्वं अस्यां भाषायामेव सन्निहितम् अस्ति। अतिसूक्ष्मभावनां प्रकटयितुं स्पष्टीकर्तुं संस्कृतं विना नैव अन्यत्र विद्यते सामर्थ्यम्। भारतीयं सर्वस्वं विश्वस्य समग्रं तत्त्वं च अस्यां भाषायाम् अस्ति।

संस्कृतभाषावैज्ञानिकत्त्वम् – ऐतिहासिक-वर्णनात्मक-तुलनात्मकाध्ययन-द्वारा भाषायाः प्रकृतेः विकासोत्पत्तेः संरचनायाः अध्ययनपूर्वकं  सर्वेषां विषयाणां सैद्धान्तिकं निर्णयं भाषाविज्ञानं कथ्यते। भाषाविज्ञान-नामकशास्त्रे शब्दानाम् उत्पत्तिः, वाक्यानां संरचना इत्यादीनां विषयाणां विचारः क्रियते। संस्कृतवैदिकवाङ्मये बहूनि रूपाणि प्राप्यन्ते येषां प्रयोगः सम्प्रति भाषायां न दृश्यते। एतस्यां लौकिक-वैदिकयोः अध्ययनं भाषाविज्ञानं करोति। भाषाविज्ञानस्य सम्बन्धः सर्वेषां मानवानां भाषाभिः सह अस्ति। एवं भाषाविज्ञाने ध्वनेः, ध्वनि-उच्चारणोपयोगिनां स्वरयन्त्रमुखजिह्वादि-अङ्गानां प्रकृति-प्रत्ययादीनां, संज्ञासर्वनाम-क्रिया-विशेषणादीनां नामाख्यात-उपसर्जननिपातानां पदपदार्थविषयकानां विकारादीनां विकारमूलककारकाणाम् अन्येषां विविधविषयाणाञ्च अध्ययनं क्रियते। संस्कृतभाषा-विषयक-वर्णोत्पत्ति-सिद्धान्तस्य अतीववैज्ञानिकं निरूपणं कृतं वर्तते।

सर्वासां भारतीयभाषाणां संस्कृतभाषा जननी इति कथ्यते। त्रिवेणीसङ्गमे सरस्वती नदी यथा अन्तर्लीना अस्ति तथैव सर्वासु भारतीयभाषासु संस्कृतभाषा अपि अन्तर्लीना अस्ति इति सर्वे अङ्गीकुर्वन्ति।

विश्वस्य सर्वासु भाषासु संस्कृतभाषा प्राचीनतमा सर्वासां भाषाणां च जननी अस्ति । भारतदेशः बहुभाषी देशोऽस्ति । अस्मिन् देशे अनेकतायाम् एकतावर्धिनी भाषेयं सामाजिकसमरसतायै

जीवनविकासाय च आवश्यकी वर्तते। संस्कृतस्य सांस्कृतिकं महत्त्वं वर्णयन्तः विद्वांसः कथयन्ति "भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा, संस्कृतिमूलं संस्कृतम्, साहित्यं संस्कृतिवाहकञ्च इति।" एषा संस्कृतिः न केवलं भारतस्य अपि तु विश्वस्य मुकुटायमाना अस्ति। उक्तं च

सत्यमहिंसादिगुणैः श्रेष्ठाविश्वबन्धुत्वशिक्षिका।
विश्वशान्तिः सुखधात्री भारतीया हि संस्कृतिः॥

संस्कृते संस्कृतिर्ज्ञेया संस्कृते सकलाः कलाः।
संस्कृते सकलं ज्ञानं संस्कृते किन्न विद्यते॥

एवं संस्कृतभाषा परिनिष्ठिता, दोषरहिता, सरला, गम्भीरा, यथार्था वैज्ञानिकी च अस्ति। सम्प्रति युगेस्मिन् प्रमुखैः उद्देश्यैः संस्कृतभाषा शिक्षणीया अस्ति।

**<u>शिक्षणोद्देश्यानि –</u>**

- वसुधैव-कुटुम्बकम् इति भावनाविकासार्थम्
- भारतीयभाषाणां संरक्षणार्थम्
- बौद्धिकविकासपुरस्सरम् आध्यात्मिकनैतिकज्ञानार्थम्
- मानसिकविकासानन्दानुभुतिरसानुभूत्यर्थम्
- भारतीयसंस्कृतेः संरक्षणं ज्ञानवर्धनञ्च ।
- आत्मानुशासनसंस्थापनार्थम्
- भाषाशिक्षणकौशलानि वर्धनाय नैपुण्यप्राप्तिः।
- परस्परं वार्तालापमाध्यमेन भावविनिमयः।
- संस्कृतसाहित्यस्य अध्ययनेन ज्ञानानन्दस्य अनुभूतिः।
- मानवजीवनस्य विकासपूर्वकं कल्याणम्।
- संस्कृतभाषया छात्राणां सर्वविधविकासः।

**<u>शिक्षणप्रविधयः -</u>**

- संस्कृतमाध्यमेन सम्भाषणविधिना शनैः शनैः सम्भविष्यति। गतिवर्धनाय संस्कृताध्यापकानां धैर्येण स्वकीयाध्यापन-कार्यक्रमाणां नियोजनम् । रुचिकरभाषाभ्यासेन भाषिकोपलब्धिः। भाषिकाभ्यासाय वार्तालाप-कथाश्रवण-वादविवाद-संवाद-वर्णनपरकप्रतियोगिताभिः भाषाशिक्षणं कारयितुं शक्यते।
- विभिन्नप्रामाणिकसंस्थानां कार्यक्रमाः साहित्यसामग्र्यश्च प्रयुज्य उत्तमशिक्षणं कर्तुं शक्यते।
- संस्कृतभाषया उपलब्ध-दृश्य-श्रव्य-सामग्री-माध्यमेन भाषाभ्यासः।
- विभिन्नपाठ्यसामग्रीद्वारा शिक्षकः स्वकीयं शिक्षणकार्यं रुचिकरं कर्तुं शक्नोति ।

* भाषाशिक्षकः छात्रान् स्नेहपूर्वकम् (आत्मीयभावेन) पाठयेत् ।
* अद्यतनपूर्वकं साहित्यकोश-शब्दकोश-सन्दर्भग्रन्थानां सहायतया छात्राणां तत्परतावर्धनम्।
* प्राचीनार्वाचीनयोर्मध्ये साम्यस्थापनद्वारा नूतनशिक्षणविधिभिश्च संस्कृतशिक्षणम्।

**<u>कौशलानि-</u>**

* ज्ञानात्मक-अवबोधनात्मक-अनुप्रयोगात्मक-विश्लेषणात्मक-संश्लेषणात्मक-मूल्याङ्कनात्मक-लक्षिताधिगमनविशेषाः।
* श्रवणकौशलम् – भावाधिग्रहणाय ध्वन्यात्मकं भाषायाः प्रथमं कौशलम् इदम्। अस्य साधनानि- गुरुमुखम्, आकाशवाणी, दूरवाणी, परिवारसदस्याः, समाजः, कक्ष्याः, ध्वनिमुद्रणयन्त्रम्, दूरदर्शनम् इत्यादयः।
* भाषणकौशलम्- भावाभिव्यक्तये ध्वन्यात्मकं भाषायाः इदं द्वितीयं कौशलम्। वाग्-रूपं भावप्रकटनम् एव भाषणम्, परिसरप्रभावेण आधारेण वा भाषणशक्तिः जायते।
* पठनकौशलम् – भावाधिग्रहणाय लिप्यात्मकं भाषायाः तृतीयं कौशलम् इदम्। (अर्थग्रहणपूर्वकं स्पष्टरूप-वाचनम् इत्यर्थः)
* लेखनकौशलम्- भावाभिव्यक्तये लिप्यात्मकं भाषायाः चतुर्थं कौशलम् इदम्। (ध्वनिरूपे विद्यमानं भाषांशं लिपिरूपे अवतारणं लेखनम् इति उच्यते)

## Sanskrit Elective (Code - 022)
## Class-XI (2020-21)

**Time : 3 Hrs** **No. of Periods : 220**
**Total Marks :80**

**COURSE STRUCTURE**

**The Question paper will be divided into two Sections**

**Section – A**

| | | |
|---|---|---|
| Applied Grammar | 20 Marks | 60 Periods |
| Literature | 20 Marks | 50 Periods |

**Section – B**

| | | |
|---|---|---|
| Reading Comprehension | 10 Marks | 20 Periods |
| Writing Skills | 10 Marks | 30 Periods |
| Literature | 20 Marks | 60 Periods |

**Design of Question Paper**

| **Section - A** | | |
|---|---|---|
| **No. of Questions** | **No. of Marks Per Question** | **Total No. of Marks** |
| **Applied Grammar** | | |
| **Q. No. I - Sandhih**<br>SA 1 of 3 | 1 ×3 = 3 | **20 Marks** |
| **Q. No. II - Shabdaroopani-vibhaktyanusaram Vakyaprayogah**<br>MCQ 1 of 3 | 1× 3 = 3 | |
| **Q. No. III - Dhaturoopani Vakyaprayogah**<br>MCQ 1 of 3 | 1× 3 = 3 | |
| **Q. No. IV - Pratyayah**<br>MCQ 1 of 3 | 1 × 3 = 3 | |
| **Q. No. V- Avyayaprayogah**<br>MCQ 1 of 2 | 1 ×2 = 2 | |
| **Q. No. VI–Upapada-Karaka-Vibhaktiprayogah**<br>MCQ 1 of 3 | 1 ×3 = 3 | |
| **Q. No. VII–Samasa-Vigrahah**<br>MCQ 1 of 3 | 1 × 3 = 3 | |
| **Literature** | | |
| **Q. No. VIII BhashikaKaryam** | | |

| | | |
|---|---|---|
| MCQ 1 of 6<br>**Q. No. IX Kathanani Aashritya Prashnanirmanam**<br>MCQ 1 of 4<br>**Q. No. XPathadharitanamLekhakanam Paricayah**<br>MCQ 1 of 4<br>**Q. No. XIVaidika-Laukik-Sahityasya Pramukha-Kavyanam Parichayah**<br>MCQ 1 of 3<br>**Q. No. XII-Natya-Vishayak-Shabdavali-Paricahayah**<br>MCQ 1 of 3 | 1 × 6 = 6<br>1 × 4 = 4<br>1 × 4 = 4<br>1 × 3 = 3<br>1 × 3 = 3 | **20 Marks** |
| **Section - B** | | |
| **Reading Comprehension** | | |
| **Q. No. XIII Apathita Gadyanshah**<br>VSA 2Q<br>LA 2Q<br>Title 1Q<br>SA 3Q | 1 × 2 =2<br>2 × 2 = 4<br>1 × 1 =1<br>1 × 3 =3 | **10 Marks** |
| **Writing Skills** | | |
| **Q. No. XIV Patra -Lekhanam**<br>LA (10 Blanks)<br>**Q. No. XVAnuchchheda-Lekhanam**<br>LA (10 Blanks)<br>OR<br>**Hindi/English to Sanskrit Translation**<br>LA (5 Easy Sentences ) | ½ × 10 = 5<br>½×10 = 5<br>1 × 5 =5 | **10 Marks** |
| **Literature** | | |
| **Q. No. XVI Gadyamshah**<br>VSAQ (Ekapadena)<br>LAQ (PoornaVakyena)<br>**Q. No. XVII Padyamshah**<br>VSAQ (Ekapadena)<br>LAQ (PoornaVakyena)<br>**Q. No. XIII Natyamshah**<br>VSAQ (Ekapadena)<br>LAQ (PoornaVakyena)<br>**Q. No. XIX –Shloka-Anvayah**<br>LAQ (6 Blanks)<br>**Q. No. XX – Bhavartha-Lekhanam /Charitra-Chitranam**<br>LAQ 1 | ½ × 2 =1<br>1 × 2 = 2<br>½ × 2 = 1<br>1 × 2 = 2<br>½ × 2 = 1<br>1 × 2 = 2<br>½ × 6 =3 | **20 Marks** |

| | | |
|---|---|---|
| **Q.No. XXI – Saprasanga-Vyakhya**<br>LAQ | 1 × 3 = 3<br><br>5 × 1 =5 | |

## संस्कृतम् ( ऐच्छिकम्) (कोड़ नं. 022)

**कक्षा – एकादशी (2020-21)**

**वार्षिकमूल्याङ्कनाय निर्मिते प्रश्नपत्रे भागद्वयं भविष्यति -**

**‘अ’ – भागः(बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः)40 अङ्काः**

अनुप्रयुक्त – व्याकरणम् 20अङ्काः

पठितावबोधनम् 10अङ्काः

संस्कृतसाहित्येतिहासस्य सामान्यः परिचयः 10अङ्काः

**‘आ’ – भागः (वर्णनात्मकाःप्रश्नाः) 40 अङ्काः**

अपठित – अवबोधनम् 10 अङ्काः

रचनात्मक– कार्यम् 10 अङ्काः

पठित – अवबोधनम् 20अङ्काः

**भागानुसारं विषयाः मूल्यभारः च**

**‘अ’ – भागः(बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः)40 अङ्काः**

| **खण्डः** | **विषयाः** | **मूल्यभारः** |
|---|---|---|
| **अनुप्रयुक्त – व्याकरणम्** | | |
| 1. | सन्धिः | 3 |
| 2. | शब्दरूपाणि – विभक्त्यनुसारं वाक्यप्रयोगः | 3 |
| 3. | धातुरूपाणि-वाक्यप्रयोगः | 3 |

| | | |
|---|---|---|
| 4. | प्रत्ययाः | 3 |
| 5. | अव्ययप्रयोगः | 2 |
| 6. | उपपदकारकविभक्तिप्रयोगाः | 3 |
| 7. | समास-विग्रहः | 3 |
| | **पूर्णभारः** | **20** |
| **पठित – अवबोधनम्** | | |
| 8. | भाषिककार्याय तत्त्वानि (पाठाधारितानि) | 6 |
| 9. | कथनानि आश्रित्य प्रश्ननिर्माणम् | 4 |
| | **पूर्णभारः** | **10** |
| **संस्कृतसाहित्येतिहासस्य सामान्यः परिचयः** | | |
| 10. | पाठ्यक्रमे प्रदत्तानां प्रमुखलेखकानां परिचयः | 4 |
| 11. | वैदिक-लौकिक-साहित्यस्यच (प्रमुखकाव्यानाम्) परिचयः)। | **3** |
| 12. | नाट्यविषयकशब्दावलीपरिचयः | **3** |
| | **पूर्णभारः** | **10** |
| **सम्पूर्णभारः40अङ्काः** | | |

**‘आ’ – भागः(वर्णनात्मकाः प्रश्नाः)40 अङ्काः**

| **खण्डः** | **विषयाः** | **प्रश्नप्रकाराः** | **मूल्यभारः** |
|---|---|---|---|
| **अपठित – अवबोधनम्** | | | |
| 13. | एकः गद्यांशः (80-100 शब्दपरिमितः) | अति-लघूत्तरात्मकाः<br>पूर्णवाक्यात्मकाः<br>लघूत्तरात्मकाः<br>(भाषिककार्यम्) | 10 |
| | | **पूर्णभारः** | **10** |
| **रचनात्मक – कार्यम्** | | | |
| 14. | औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रम्<br>(मञ्जूषायाः सहायतया पूर्णं पत्रं लेखनीयम्) | निबन्धात्मकः | 5 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 15. | अनुच्छेदलेखनम्/<br>हिन्दी/आङ्ग्लभाषातः संस्कृतेन अनुवादः | निबन्धात्मकः/पूर्णवाक्यात्मकः | 5 |
| | | **पूर्णभारः** | **10** |
| | **पठित – अवबोधनम्** | | |
| 16. | गद्यांशः | अति-लघूत्तरात्मकौ पूर्णवाक्यात्मकः | 3 |
| 17. | पद्यांशः | अति-लघूत्तरात्मकौ पूर्णवाक्यात्मकः | 3 |
| 18. | नाट्यांशः | अति-लघूत्तरात्मकौ पूर्णवाक्यात्मकः | 3 |
| 19. | अन्वयः | पूर्णवाक्यात्मकः | 3 |
| 20. | भावार्थलेखनम्/चरित्रचित्रणम् | पूर्णवाक्यात्मकः | 3 |
| 21. | सप्रसङ्गव्याख्या | पूर्णवाक्यात्मकः | 5 |
| | | **पूर्णभारः** | **20** |
| | | | **सम्पूर्णभारः 40 अङ्काः** |

**‘अ’ भागः 40 + ‘आ’ भागः 40 =सम्पूर्णभारः 80 अङ्काः**

## संस्कृतम् (ऐच्छिकम्) (कोड सं. 022 )

## पाठ्यक्रमः परीक्षानिर्देशाश्च (2020-21)

**अवधिः – होरात्रयम्** **कक्षा – XI प्रश्नपत्रम्** **पूर्णाङ्काः 80+20**

**वार्षिकं मूल्याङ्कनम्**

**अस्मिन् प्रश्नपत्रे भागद्वयं भविष्यति ।** **अङ्काः**

| | | |
|---|---|---|
| **भागः “अ”** | **(बहुविकल्पात्मकः)** | **40** |
| **भागः “आ”** | **(वर्णनात्मकः)** | **40** |
| **भागः “इ” आन्तरिकमूल्याङ्कनम्** | | **20** |

**अ-भागः**

**(बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः)**

| | |
|---|---|
| **अनुप्रयुक्तव्याकरणम्**<br>**(20अङ्काः)** | **1. सन्धिः –सन्धिविच्छेदःसन्धिकरणंच।**<br>**3**<br>स्वरसन्धिः – गुणः, वृद्धिः, यण्, अयादि।<br>व्यञ्जनसन्धिः – श्चुत्वम्, णत्वविधानम्, आगमः, मोऽनुस्वारः,परसवर्णः।<br>विसर्गसन्धिः – सत्वम्, उत्वम्, रुत्वम्, लोपः।<br>**2. शब्दरूपाणि – वाक्येषु विभक्ति-प्रयोगः ।3**<br>अजन्ताः – सर्व, पूर्व, द्‌वितीय, सखि, दातृ, नृ, स्वसृ, अक्षि ।<br>हलन्ताः – पथिन्, मरुत्, तादृश्, दिश्, धनिन्, पञ्चन्, अष्टन्,नवन्, दशन्।<br>**3. धातुरूपाणि – लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्इतिपञ्चलकारेषु प्रयोगः**<br>**3**<br>परस्मैपदिनः –गम्,नम्, अस्,हस्, श्रु, नश्, आप्, शक्, इष्, प्रच्छ्,<br>कृ, ज्ञा, भक्ष्, चिन्त्, नृत्, कथ्।<br>आत्मनेपदिनः – लभ्, सेव्, याच्।<br>उभयपदिनः – नी, पच्।<br>**4. प्रत्ययाः – पाठ्यांशेषुअधोलिखितप्रत्यययुक्तानिपदानिअधिकृत्यप्रश्नाः।**<br>**3**<br>(अ) कृदन्ताः – क्त, क्तवतु, शतृ,शानच्, ल्यप्, यत्, तव्यत्,<br>अनीयर्,<br>क्तिन्, अच्।<br>(आ) तद्धिताः – णिनि, त्व, मयट्, इष्ठन्।<br>(इ) स्त्रीप्रत्ययाः – टाप्, ङीप्।<br>**5. अव्ययप्रयोगाः-**<br>**2**<br>पुनः, उच्चैः, शनैः, अधः, ऋते, युगपत्, अद्‌य, श्वः, ह्यः, सायम्, चिरम्,<br>ईषत्,<br>तूष्णीम्, सहसा, मिथ्या, पुरा, प्रायः, नूनम्, भूयः, खलु, किल।पठितांशेषु<br>प्रयुक्तानिअन्यानिअव्ययपदानिच<br>**6. विभक्तिप्रयोगाः –** पठितपाठ्यांशेषु प्रयुक्त-उपपदकारकविभक्तीः<br>अधिकृत्य प्रश्नाः**3**<br>**7. पठितपाठ्यांशेषुसरलसमस्तपदानांविग्रहाः3** |
| **पठित-अवबोधनम्**<br>**(10अङ्काः)** | **8. भाषिककार्यम् –(पाठान् अधिकृत्य) 6**<br>(i) विशेषण-विशेष्य/पर्याय/विलोमादिचयनम्<br>(ii) वाक्ये कर्तृक्रिया-पदचयनम् |

| | |
|---|---|
| | (iii) सर्वनामस्थाने संज्ञाप्रयोगः<br>**9. कथनानि आश्रित्य प्रश्ननिर्माणम् ।**<br>**4** |
| **संस्कृत-साहित्येतिहासस्य सामान्यः परिचयः (10अङ्काः)** | **10. पाठ्यक्रमेप्रदत्तानां प्रमुखलेखकानांपरिचयः।**<br>**4**<br>**11. वैदिक-साहित्यस्य, लौकिक-साहित्यस्यच (प्रमुखकाव्यानाम्) परिचयः)।**<br>**3**<br>**12. नाट्यविषयकशब्दावलीपरिचयः –** नान्दी,नेपथ्यम्, प्रस्तावना, आत्मगतम्**3**<br>प्रकाशम्, जनान्तिकम्, भरतवाक्यम्, (रिक्तस्थानपूर्तिमाध्यमेन) |
| | **योगः = 40 अङ्काः** |

**आ - भागः**40 अङ्काः

**(वर्णनात्मकाःप्रश्नाः)**

| | |
|---|---|
| **अपठित – अवबोधनम् (10अङ्काः)** | **1. 80-100 शब्दपरिमितः एकः सरलः अपठितः गद्यांशः ।**<br>**10**<br>**प्रश्नवैविध्यम्**<br>i. एकपदेन उत्तरम् (प्रश्नद्वयम्) (2)<br>ii. पूर्णवाक्येन उत्तरम् (प्रश्नद्वयम्)<br>(4)<br>iii. समुचितशीर्षकप्रदानम् (1)<br>iv. भाषा- सम्बद्धकार्यम् – सर्वनामप्रयोगः/संज्ञाप्रयोगः, (3)<br>विशेषण-विशेष्यप्रयोगः, शब्दार्थचयनम्/विलोमादिचयनम्,<br>कर्तृ-क्रिया-पदचयनम् |
| **रचनात्मकं कार्यम् (10अङ्काः)** | **2. औपचारिकम्अनौपचारिकंवापत्रम् (पूर्णपत्रंलेखनीयम्)5**<br>**3. सङ्केताधारितम्अनुच्छेदलेखनम्।5**<br>**अथवा**<br>**हिन्दीभाषयाआङ्ग्लभाषयावालिखितानांवाक्यानांसंस्कृतभाषयाअनुवादः** |
| **पठित – अवबोधनम् (20 अङ्काः)** | **4. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम् 3**<br>**प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि ।**<br>**5. पद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम् 3**<br>**प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि ।**<br>**6. नाट्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम् 3**<br>**प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि ।** |

| | |
|---|---|
| | **7. अन्वयलेखनम् / रिक्तस्थानपूर्तिमाध्यमेनअन्वयः।3**<br>**8. भावार्थलेखनम्/ चरित्रचित्रणम्।3**<br>**9. सप्रसङ्गव्याख्या।5** |
| **योगः = 40अङ्काः** | |

**पुस्तकम् –** शाश्वती - प्रथमो भागः (पाठ्यपुस्तकम्)

**परीक्षायै निर्धारिताः पाठाः**

| **पाठसङ्ख्या** | **पाठनाम** |
|---|---|
| प्रथमः पाठः | वेदामृतम् |
| द्वितीयः पाठः | ऋतुचित्रणम् |
| तृतीयः पाठः | परोपकारायसतांविभूतयः |
| पञ्चमः पाठः | सौवर्णशकटिका |
| षष्ठःपाठः | आहारविचारः |
| अष्टमः पाठः | दयावीरकथा |
| दशमः पाठः | कन्थामाणिक्यम् |
| एकादशः पाठः | ईशःकुत्रास्ति |
| त्रयोदशः पाठः | सत्त्वमाहोरजस्तमः |
| चतुर्दशः पाठः | नवद्रव्याणि |

**पुस्तकम् – संस्कृत-साहित्य-परिचय**

**परीक्षायै निर्धारिताः पाठाः**

| **पाठसङ्ख्या** | **पाठनाम** |
|---|---|
| प्रथम अध्याय | संस्कृतभाषाउद्भवएवंविकासवैदिकसाहित्य |
| तृतीय अध्याय | रामायण, महाभारत एवं पुराण |
| चतुर्थ अध्याय | महाकाव्य |
| पञ्चम अध्याय | ऐतिहासिकमहाकाव्य |
| षष्ठ अध्याय | काव्यकीअन्यविधाएँ |
| सप्तम अध्याय | गद्यकाव्यएवंचम्पूकाव्य |
| नवम अध्याय | नाट्यसाहित्य |

| | |
|---|---|
| द्वादश अध्याय | शास्त्रीयसाहित्य |

## **भागः “इ” आन्तरिक-मूल्याङ्कनम्**अङ्काः(**20)**

1. परियोजनाकार्यम् - 10 अङ्काः
2. गतिविधयः - 10 अङ्काः

**<u>उद्देश्यानि –</u>**

- ❖ छात्राणांविविध-जीवन-कौशलानांविकासः।
- ❖ छात्राःसमाजस्यविविध-समस्याःज्ञात्वासमाधानेसमर्थाःस्युः।
- ❖ गवेषणात्मक-चिन्तनशक्तेःविकासः।
- ❖ संस्कृत-जगतःसमस्यानांसम्मुखीकरणम्।
- ❖ छात्राणांसृजनात्मकक्षमतायाःविकासः।
- ❖ श्रवण-भाषण-पठन-लेखनकौशलानांविकासः।
- ❖ आत्मविश्वासस्यसंवर्धनम्।

| **क्र. सं.** | **गतिविधयः** | **उदाहरणानि** | **अङ्काः** | **निर्देशाः** |
|---|---|---|---|---|
| 1 | परियोजना-कार्यम् | ❖ मिथ्यावार्तायाः (Fake News)दुष्प्रभावाः।<br>❖ अध्ययनेअन्तर्जालस्यउपयोगिता<br>❖ संस्कृतंव्यवहारभाषांकर्तुंसमस्याःसमाधानञ्च।<br>❖ “सोशलमीडिया” इत्यस्यसदुपयोगः।<br>❖ भारतीयसंस्कृतौ वैज्ञानिकचिन्तनम् ।<br>❖ स्वक्षेत्रेजायमानस्यप्रदूषणस्यकारणानिसमाधानञ्च ।<br>❖ स्वक्षेत्रेस्वच्छभारताभियानस्यस्थितिः।<br>❖ संस्कृताध्ययनंप्रतिछात्राणाम् उदासीनतायाःकारणानितन्निराकरणोपायाश्च।<br>आयुष्मद्भारतम् ' इतिसर्वकारीय-योजनाविषयेलाभार्थिनांजागरूकतायाःविश्लेषणम्। | 10 | ❖ सत्रारम्भेएवविषयःसूचनीयः।<br>❖ आवर्षंछात्राःएतेषुविषयेषुअध्ययनंकुर्युः।<br>❖ शिक्षकेणसमयेसमयेपरियोजनाकार्यस्यप्रगतिःज्ञा<br>❖ कदाचित्छात्राःसंस्कृतेनलेखितुंकष्टमनुभवन्तितद<br>❖ परियोजनाकार्याणांविवरणंसप्रमाणंसुरक्षितंस्थापन<br>❖ परियोजनाकार्याणिसंस्कृतेनएवभवेयुः। |
| 2 | श्रवण-भाषण-कौशलम् | ❖ कथा<br>❖ संवादः/ वार्तालापः<br>❖ भाषणम्<br>❖ नाटकम्<br>❖ वार्ताः<br>❖ आशुभाषणम्<br>❖ वार्तावलिः (समूहचर्चा)<br>❖ संस्कृतगीतानि | 05 | ❖ छात्राःकामपिकथांश्रावयितुंशक्नुवन्ति।<br>❖ शिक्षकःकमपिविषयंसूचयित्वापरस्परंसंवादंकारयि<br>❖ दूरदर्शनेवार्तावलीइत्याख्यःसंस्कृत-कार्यक्रमःप्रसा<br>❖ श्रवण-कौशल-मूल्याङ्कनायशिक्षकःस्वयम्अपिक प्रश्नान्प्रष्टुंशक्नोति।<br>❖ वर्षेन्यूनातिन्यूनंत्रयःगतिविधयःकारणीयाःतेषुसर्व विवरणंसप्रमाणंसुरक्षितंस्थापनीयम्। |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ❖ श्लोकोच्चारणम् | | |
| 3 | लेखन-कौशलम् | ❖ विविधविषयान्आधृत्य मौलिकलेखनम्<br>❖ यथा– माता, पिता, गुरुः, पर्यावरणम्, विद्या, योगः , समयस्यसदुपयोगः , शिक्षा, अनुशासनम्इत्यादयः।<br>❖ शैक्षिकभ्रमणस्यसंस्कृतेनप्रतिवेदनलेखनम्।<br>❖ दैनन्दिनीलेखनम्।<br>❖ सङ्केताधारितंकथालेखनम्।<br>श्रुतलेखः | 05 | ❖ छात्राःयथाशक्यंकक्षायामेवलेखनकार्यंकुर्युः।<br>❖ अत्रपञ्जिका-निर्माणम्अपिकारयितुंशक्यते।<br>❖ विवरणंसप्रमाणंसुरक्षितंस्थापनीयम्। |

**पुस्तकानि**

- शाश्वती - प्रथमः भागः (पाठ्यपुस्तकम्) रा. शै. अनु. प्र. परि. द्वारा प्रकाशितम् ।
- व्याकरणसौरभम् (संशोधितसंस्करणम्) रा. शै. अनु. प्र. परि. द्वारा प्रकाशितम् ।(सहायकपुस्तकम्)
- हायर संस्कृतग्रामर (एम् आर् कालेलिखितम् )
- रचनानुवादकौमुदी (सहायकपुस्तकम्) कपिलदेवद्विवेदीलिखितम् विश्वविद्यालयप्रकाशनम्, वाराणसी ।
- संस्कृतसाहित्यपरिचयः (सन्दर्भपुस्तकम्) (संशोधितसंस्करणम्) रा. शै. अनु. प्र. परि. द्वारा प्रकाशितम् ।
- वेदपारिजात (अतिरिक्ताध्ययनार्थम्) रा. शै. अनु. प्र. परि. द्वारा प्रकाशितम् ।

-----------------------------------------------------------------.

## संस्कृतम् (ऐच्छिकम्) (कोड सं. 022)

## द्वादशी XII

## पाठ्यक्रमः परीक्षानिर्देशाश्च (2020-21)

भाष्यते व्यवहारादिषु प्रयुज्यते इति भाषा, मानवः स्वमनसि विद्यमानान् विचारान् भावनाः अनुभूतिं च अर्थयुक्तैः ध्वनिभिः लिखितसङ्केतैः च अभिव्यक्तयति सा भाषा। भाषा अभिप्रायप्रकटनस्य साधनम्। वस्तुतः लोके द्वयोः मनुष्ययोः मध्ये परस्परम् अवबोधनाय, भावग्रहणाय, भावविनिमयाय च भाषया विना न अन्यत् स्पष्टतमं सरलतमं च साधनं विद्यते। लोके बहव्यः भाषाः सन्ति यासु संस्कृतभाषा अतिप्राचीनतमा समृद्धा च अस्ति। संस्कृतभाषायाम् एव सन्ति ऋग्यजुस्सामाथर्वाःचत्वारः वेदाः, शिक्षा, व्याकरणं, निरुक्तं, ज्योतिषं, छन्दः कल्पः चेति षडङ्गानि, चतुर्दशविद्याः, विज्ञानम्, आयुर्वेदः, योगशास्त्रादयः ग्रन्थाः। अतः संस्कृतं केवलं भाषा न अपितु किञ्चन जीवनदर्शनम् इति। इयं विद्या (भाषा) भारतीयानां प्रतिष्ठात्मिका कामधेनुः समस्तज्ञानप्रदात्री,एक्यप्रदात्री, धर्मार्थकाममोक्षप्रदात्री च अस्ति। सृष्टेः आदितः अद्यावधिः यत् शिक्षणं ज्ञानविज्ञानं च अस्ति तत् सर्वं अस्यां भाषायामेव सन्निहितम् अस्ति। अतिसूक्ष्मभावनां प्रकटयितुं स्पष्टीकर्तुं संस्कृतं विना नैव अन्यत्र विद्यते सामर्थ्यम्। भारतीयं सर्वस्वं विश्वस्य समग्रं तत्त्वं च अस्यां भाषायाम् अस्ति।

संस्कृतभाषावैज्ञानिकत्त्वम् – ऐतिहासिक-वर्णनात्मक-तुलनात्मकाध्ययन-द्वारा भाषायाः प्रकृतेः विकासोत्पत्तेः संरचनायाः अध्ययनपूर्वकं सर्वेषां विषयाणां सैद्धान्तिकं निर्णयं भाषाविज्ञानं कथ्यते।

भाषाविज्ञान-नामकशास्त्रे शब्दानाम् उत्पत्तिः, वाक्यानां संरचना इत्यादीनां विषयाणां विचारः क्रियते। संस्कृतवैदिकवाङ्मये बहूनि रूपाणि प्राप्यन्ते येषां प्रयोगः सम्प्रति भाषायां न दृश्यते। एतस्यां लौकिक-वैदिकयोः अध्ययनं भाषाविज्ञानं करोति। भाषाविज्ञानस्य सम्बन्धः सर्वेषां मानवानां भाषाभिः सह अस्ति। एवं भाषाविज्ञाने ध्वनेः, ध्वनि-उच्चारणोपयोगिनां स्वरयन्त्रमुखजिह्वादि-अङ्गानां प्रकृति-प्रत्ययादीनां, संज्ञासर्वनाम-क्रिया-विशेषणादीनां नामाख्यात-उपसर्जननिपातानां पदपदार्थविषयकानां विकारादीनां विकारमूलककारकाणाम् अन्येषां विविधविषयाणाञ्च अध्ययनं क्रियते। संस्कृतभाषा-विषयक-वर्णोत्पत्ति-सिद्धान्तस्य अतीववैज्ञानिकं निरूपणं कृतं वर्तते।

सर्वासां भारतीयभाषाणां संस्कृतभाषा जननी इति कथ्यते। त्रिवेणीसङ्गमे सरस्वती नदी यथा अन्तर्लीना अस्ति तथैव सर्वासु भारतीयभाषासु संस्कृतभाषा अपि अन्तर्लीना अस्ति इति सर्वे अङ्गीकुर्वन्ति।

विश्वस्य सर्वासु भाषासु संस्कृतभाषा प्राचीनतमा सर्वासां भाषाणां च जननी अस्ति । भारतदेशः बहुभाषी देशोऽस्ति । अस्मिन् देशे अनेकतायाम् एकतावर्धिनी भाषेयं सामाजिकसमरसतायै जीवनविकासाय च आवश्यकी वर्तते। संस्कृतस्य सांस्कृतिकं महत्त्वं वर्णयन्तः विद्वांसः कथयन्ति “भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा, संस्कृतिमूलं संस्कृतम्, साहित्यं संस्कृतिवाहकञ्च इति।” एषा संस्कृतिः न केवलं भारतस्य अपि तु विश्वस्य मुकुटायमाना अस्ति। उक्तं च

सत्यमहिंसादिगुणैः श्रेष्ठाविश्वबन्धुत्वशिक्षिका।
विश्वशान्तिः सुखधात्री भारतीया हि संस्कृतिः॥

संस्कृते संस्कृतिर्ज्ञेया संस्कृते सकलाः कलाः।
संस्कृते सकलं ज्ञानं संस्कृते किन्न विद्यते॥

एवं संस्कृतभाषा परिनिष्ठिता, दोषरहिता, सरला, गम्भीरा, यथार्था वैज्ञानिकी च अस्ति। सम्प्रति युगेस्मिन् प्रमुखैः उद्देश्यैः संस्कृतभाषा शिक्षणीया अस्ति।

**शिक्षणोद्देश्यानि –**

* वसुधैव-कुटुम्बकम् इति भावनाविकासार्थम्
* भारतीयभाषाणां संरक्षणार्थम्
* बौद्धिकविकासपुरस्सरम् आध्यात्मिकनैतिकज्ञानार्थम्
* मानसिकविकासानन्दानुभुतिरसानुभूत्यर्थम्
* भारतीयसंस्कृतेः संरक्षणं ज्ञानवर्धनञ्च ।
* आत्मानुशासनसंस्थापनार्थम्
* भाषाशिक्षणकौशलानि वर्धनाय नैपुण्यप्राप्तिः।
* परस्परं वार्तालापमाध्यमेन भावविनिमयः।

* संस्कृतसाहित्यस्य अध्ययनेन ज्ञानानन्दस्य अनुभूतिः।
* मानवजीवनस्य विकासपूर्वकं कल्याणम्।
* संस्कृतभाषया छात्राणां सर्वविधविकासः।

**<u>शिक्षणप्रविधयः -</u>**

* संस्कृतमाध्यमेन सम्भाषणविधिना शनैः शनैः सम्भविष्यति। गतिवर्धनाय संस्कृताध्यापकानां धैर्येण स्वकीयाध्यापन-कार्यक्रमाणां नियोजनम् । रुचिकरभाषाभ्यासेन भाषिकोपलब्धिः। भाषिकाभ्यासाय वार्तालाप-कथाश्रवण-वादविवाद-संवाद-वर्णनपरकप्रतियोगिताभिः भाषाशिक्षणं कारयितुं शक्यते।
* विभिन्नप्रामाणिकसंस्थानां कार्यक्रमाः साहित्यसामग्र्यश्च प्रयुज्य उत्तमशिक्षणं कर्तुं शक्यते।
* संस्कृतभाषया उपलब्ध-दृश्य-श्रव्य-सामग्री-माध्यमेन भाषाभ्यासः।
* विभिन्नपाठ्यसामग्रीद्वारा शिक्षकः स्वकीयं शिक्षणकार्यं रुचिकरं कर्तुं शक्नोति ।
* भाषाशिक्षकः छात्रान् स्नेहपूर्वकम् (आत्मीयभावेन) पाठयेत् ।
* अद्यतनपूर्वकं साहित्यकोश-शब्दकोश-सन्दर्भग्रन्थानां सहायतया छात्राणां तत्परतावर्धनम्।
* प्राचीनार्वाचीनयोर्मध्ये साम्यस्थापनद्वारा नूतनशिक्षणविधिभिश्च संस्कृतशिक्षणम्।

**<u>कौशलानि-</u>**

* ज्ञानात्मक-अवबोधनात्मक-अनुप्रयोगात्मक-विश्लेषणात्मक-संश्लेषणात्मक-मूल्याङ्कनात्मक-लक्षिताधिगमनविशेषाः।
* श्रवणकौशलम् – भावाधिग्रहणाय ध्वन्यात्मकं भाषायाः प्रथमं कौशलम् इदम्। अस्य साधनानि- गुरुमुखम्, आकाशवाणी, दूरवाणी, परिवारसदस्याः, समाजः, कक्ष्याः, ध्वनिमुद्रणयन्त्रम्, दूरदर्शनम् इत्यादयः।
* भाषणकौशलम्- भावाभिव्यक्तये ध्वन्यात्मकं भाषायाः इदं द्वितीयं कौशलम्। वाग्-रूपं भावप्रकटनम् एव भाषणम्, परिसरप्रभावेण आधारेण वा भाषणशक्तिः जायते।
* पठनकौशलम् – भावाधिग्रहणाय लिप्यात्मकं भाषायाः तृतीयं कौशलम् इदम्। (अर्थग्रहणपूर्वकं स्पष्टरूप-वाचनम् इत्यर्थः)
* लेखनकौशलम्- भावाभिव्यक्तये लिप्यात्मकं भाषायाः चतुर्थं कौशलम् इदम्। (ध्वनिरूपे विद्यमानं भाषांशं लिपिरूपे अवतारणं लेखनम् इति उच्यते)

## Sanskrit Elective (Code - 022)
## Class-XII (2020-21)

**Time : 3 Hrs** **No. of Periods : 210**
**Total Marks : 80**

### COURSE STRUCTURE

**The Question paper will be divided into two Sections**

**Section – A**

| | | |
|---|---|---|
| Literature | 25 Marks | 40 Periods |
| Poetics (Chhando-Alankarah) | 15 Marks | 40 Periods |

**Section – B**

| | | |
|---|---|---|
| Reading Comprehension | 10 Marks | 30 Periods |
| Writing Skills | 15 Marks | 35 Periods |
| Literature | 15 Marks | 65 Periods |

### Design of Question Paper

| Section – A | | |
|---|---|---|
| **No. of Questions** | **No. of Marks Per Question** | **Total No. of Marks** |
| **Literature** | | |
| **Q. No. I - Prashnanirmanam** | | |

| | | |
|---|---|---|
| SA 1 of 6<br>**Q. No. II - BhashikaKaryam**<br>MCQ 1 of 5<br>**Q. No. III- Shabdartha-Lekhanam**<br>MCQ 1 of 6<br>**Q. No. IV–Sanskrita-Sahityetihasah**<br>MCQ 1 of 8 | 1 ×6 = 6<br><br>1× 5 = 5<br><br>1× 6 = 6<br><br>1 ×8 = 8 | **25 Marks** |
| **Applied Grammar** | | |
| **Q. No. VChhandah**<br>MCQ 1 of 8<br>**Q. No. VIAlankarah**<br>MCQ 1 of 7 | 1 × 8 = 8<br><br>1 × 7 = 7 | **15 Marks** |
| **Section – B** | | |
| **Reading Comprehension** | | |
| **Q. No. VII Apathita Gadyanshah**<br>VSA 2Q<br>LA 2Q<br>Title 1Q<br>SA 3Q | 1 × 2 =2<br>2 × 2 = 4<br>1 × 1 =1<br>1 × 3 =3 | **10 Marks** |
| **Writing Skills** | | |
| **Q. No. VIII Pradattapadaih Vakyanirmanam**<br>LA 1 of 5<br>**Q. No. IXSanketadharit-Anuchchhed-Lekhanam**<br>LA 1 of 5<br>**Q. No. X Hindi/English to Sanskrit Translation**<br>LA 1 of 5 | 1 × 5 = 5<br><br>1 × 5 = 5<br><br>1 × 5 = 5 | **15 Marks** |
| **Literature** | | |
| **Q. No. XI Gadyamshah**<br>VSAQ (Ekapadena)<br>LAQ (PoornaVakyena)<br>**Q. No. XII Padyamshah**<br>VSAQ (Ekapadena)<br>LAQ (PoornaVakyena)<br>**Q. No. XIII Natyamshah**<br>VSAQ (Ekapadena)<br>LAQ (PoornaVakyena)<br>**Q. No. XIV – Bhavartha-Lekhanam/Chayanam**<br>LAQ 1 | ½ × 2 =1<br>1 × 2 = 2<br><br>½ × 2 = 1<br>1 × 2 = 2<br><br>½ × 2 = 1<br>1 × 2 = 2<br><br>1 × 3 = 3 | **15 Marks** |

| Q. No. XV –Shloka-Anvayah<br>LAQ (3 Blanks) | 1 ×3 = 3 | |
|---|---|---|

# संस्कृतम् (ऐच्छिकम्) (कोड़ नं.022)

## कक्षा – द्वादशी (2020-21)

**वार्षिकमूल्याङ्कनाय निर्मिते प्रश्नपत्रे भागद्वयं भविष्यति -**

**‘अ’ – भागः(बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः)40 अङ्काः**

पठितावबोधनम् 25अङ्काः

छन्दोऽलङ्कारपरिचयः 15अङ्काः

**‘आ’ – भागः (वर्णनात्मकाः प्रश्नाः) 40 अङ्काः**

अपठित – अवबोधनम् 10 अङ्काः

रचनात्मक– कार्यम् 15 अङ्काः

पठित – अवबोधनम् 15अङ्काः

**भागानुसारं विषयाः मूल्यभारः च**

| **‘अ’ – भागः(बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः)40 अङ्काः** | | |
|---|---|---|
| **खण्डः** | **विषयाः** | **मूल्यभारः** |
| **पठित-अवबोधनम्** | | |
| 1. | प्रश्ननिर्माणम् | 6 |
| 2. | पाठ्यपुस्तकम्आधारितंभाषिककार्यम् | 5 |
| 3. | पाठप्रसङ्गानुसारं शब्दार्थलेखनम् | 6 |
| 4. | संस्कृतसाहित्येतिहासः | 8 |
| | **पूर्णभारः** | **25** |
| **छन्दोऽलङ्कारपरिचयः** | | |
| 5. | अ. लघुयुक्तविवेकः<br>आ. अधोलिखितछन्दसांसोदाहरणम्सामान्यज्ञानम्<br>इ. श्लोकेषुछन्दसंज्ञानम् | 2<br>3<br>3 |
| 6. | अ.शब्दालङ्काराः<br>आ.अर्थालङ्काराः<br>इ. श्लोकेषुअल**ङ्कार**स्यअभिज्ञानमाध्यमेनपरीक्ष | 2<br>3<br>2 |

| | | |
|---|---|---|
| | णम्। | |
| | **पूर्णभारः** | **15** |
| **सम्पूर्णभारः40अङ्काः** | | |

| **'आ' – भागः(वर्णनात्मकाः प्रश्नाः)40 अङ्काः** | | | |
|---|---|---|---|
| **खण्डः** | **विषयाः** | **प्रश्नप्रकाराः** | **मूल्यभारः** |
| **अपठित – अवबोधनम्** | | | |
| 7. | एकः गद्यांशः (80-100 शब्दपरिमितः) | अति-लघूत्तरात्मकाः पूर्णवाक्यात्मकाः लघूत्तरात्मकाः (भाषिककार्यम्) | 10 |
| | | **पूर्णभारः** | **10** |
| **रचनात्मक – कार्यम्** | | | |
| 8. | प्रदत्तपदैः वाक्यनिर्माणम् | निबन्धात्मकः | 5 |
| 9. | सङ्केताधारितम् अनुच्छेदलेखनम् | निबन्धात्मकः/ पूर्णवाक्यात्मकः | 5 |
| 10. | हिन्दी/आङ्ग्लभाषातः संस्कृतेन अनुवादः | पूर्णवाक्यात्मकः | 5 |
| | | **पूर्णभारः** | **15** |
| **पठित – अवबोधनम्** | | | |
| 11. | गद्यांशः | अति-लघूत्तरात्मकौ पूर्णवाक्यात्मकः | 3 |
| 12. | पद्यांशः | अति-लघूत्तरात्मकौ पूर्णवाक्यात्मकः | 3 |
| 13. | नाट्यांशः | अति-लघूत्तरात्मकौ पूर्णवाक्यात्मकः | 3 |
| 14. | भावार्थलेखनम्/शुद्धभावार्थचयनम् | पूर्णवाक्यात्मकः | 3 |
| 15. | अन्वयःअथवाभावार्थः | पूर्णवाक्यात्मकः | 3 |
| | | **पूर्णभारः** | **15** |
| **सम्पूर्णभारः 40 अङ्काः** | | | |

**‘अ’ भागः 40 + ‘आ’ भागः 40 =सम्पूर्णभारः 80 अङ्काः**

## संस्कृतम् (ऐच्छिकम्) (कोड सं. 022 )
## पाठ्यक्रमः परीक्षानिर्देशाश्च (2020-21)

कक्षा – **XII** प्रश्नपत्रम्

**वार्षिकं मूल्याङ्कनम्**

**‘अ’ भागः**40 अङ्काः

**(बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः)**

| | |
|---|---|
| **पठित-अवबोधनम्**<br>**(25अङ्काः)** | **1. कथनानि आश्रित्य प्रश्ननिर्माणम्**<br>**6**<br>**2. पाठ्यपुस्तकम्आधारितंभाषिककार्यम्**<br>**5**<br>➢ कर्तृ-क्रियापदचयनम्।<br>➢ विशेषण-विशेष्यचयनम्।<br>➢ सर्वनामसंज्ञाप्रयोगः।<br>➢ पाठःवाक्यंवाकस्मात्ग्रन्थात्ग्रहीतःकश्चास्यलेखकः?<br>➢ कःकंकथयति ?<br>**3. पाठप्रसङ्गानुसारं शब्दार्थलेखनम्**<br>**6**<br>**4. संस्कृतसाहित्येतिहासः**<br>**8** |
| **छन्दोऽलङ्कारपरिचयः**<br>**(15अङ्काः)** | **5. अ. लघुयुक्तविवेकः**<br>**2**<br>**आ. अधोलिखितछन्दसांसोदाहरणम्सामान्यज्ञानम्**<br>**3**<br>छन्दांसि – अनुष्टुप्, उपजाति, वंशस्थ,वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, मन्दाक्रान्ता। (प्रदत्तश्लोकेषुछन्दसःअभिज्ञानमाध्यमेन, प्रदत्तपरिभाषासुरिक्तस्थानपूर्तिमाध्यमेनचपरीक्षणम्)<br>**इ. श्लोकेषुछन्दसंज्ञानम्**<br>**3**<br>**6. अधोलिखित-अलङ्काराणाम्उदाहरणसहितलक्षणम्।7**<br>अ.शब्दालङ्काराः – अनुप्रासः , यमकः, श्लेषः (2)<br>आ.अर्थालङ्काराः –<br>➢ उपमा , रूपकम्, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यासः। (3)<br>इ. प्रदत्तश्लोकेषुअलङ्कारस्यअभिज्ञानमाध्यमेनपरीक्षणम्। (2) |
| | **योगः = 40 अङ्काः** |

**संस्कृतम् (ऐच्छिकम्) (कोड सं. 022 )**

**पाठ्यक्रमः परीक्षानिर्देशाश्च (2020-21)**

कक्षा – **XII** द्वादशी

**वार्षिकं मूल्याङ्कनम्**

**'आ' भागः** **40 अङ्काः**

**(वर्णनात्मकाः प्रश्नाः)**

| | |
|---|---|
| **अपठित – अवबोधनम् (10अङ्काः)** | **1. 80-100 शब्दपरिमितः एकः सरलः अपठितः गद्यांशः ।** **10**<br>**प्रश्नवैविध्यम्**<br>i. एकपदेन उत्तरम् (प्रश्नद्वयम्) (2)<br>ii. पूर्णवाक्येन उत्तरम् (प्रश्नद्वयम्) (4)<br>iii. समुचितशीर्षकप्रदानम् (1)<br>iv. भाषा- सम्बद्धकार्यम् – सर्वनामप्रयोगः/संज्ञाप्रयोगः, (3)<br>विशेषण-विशेष्यप्रयोगः, शब्दार्थचयनम्/विलोमादिचयनम्,<br>कर्तृ-क्रिया-पदचयनम् |
| **रचनात्मकं कार्यम् (15अङ्काः)** | **2. प्रदत्तपदैः वाक्यनिर्माणम्** (पञ्चपदानि आधृत्य पञ्चवाक्यानि)<br>**5**<br>**3. सङ्केताधारितम् अनुच्छेदलेखनम्** (प्रदत्ततथ्यसाहाय्येन)<br>**5**<br>**4. हिन्दीभाषया आङ्ग्लभाषया वा लिखितानां पञ्चसरलवाक्यानां संस्कृतभाषया अनुवादः 5** |
| **पठित – अवबोधनम् (15 अङ्काः)** | **5. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्** **3**<br>प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि।<br>**5. पद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्** **3**<br>प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि।<br>**6. नाट्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्** **3**<br>प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि।<br>**8.भावार्थलेखनम् / प्रदत्ते भावार्थत्रये शुद्धभावार्थचयनम् 3**<br>**9. प्रदत्तेषुअन्वयेषुरिक्तस्थानपूर्तिः 3** |

| |
|---|
| **योगः = 40 अङ्काः** |

**पुस्तकम् –** शाश्वती - द्वितीयो भागः (पाठ्यपुस्तकम्)

**परीक्षायै निर्धारिताः पाठाः**

| **पाठसङ्ख्या** | **पाठनाम** |
|---|---|
| प्रथमः पाठः | विद्ययाऽमृतमश्नुते |
| द्वितीयः पाठः | रघुकौत्ससंवादः |
| तृतीयः पाठः | बालकौतुकम् |
| चतुर्थः पाठः | कर्मगौरवम् |
| पञ्चमः पाठः | शुकनासोपदेशः |
| सप्तमः पाठः | विक्रमस्यौदार्यम् |
| नवमः पाठः | कार्यं वा साधयेयम्, देहं वा पातयेयम् |
| एकादशः पाठः | उद्भिज्ज-परिषद् |
| त्रयोदशः पाठः | योगस्य वैशिष्ट्यम् |
| चतुर्दशः पाठः | कथं शब्दानुशासनं कर्तव्यम् |

**पुस्तकम् – संस्कृत साहित्य-परिचय**

**परीक्षायै निर्धारिताः पाठाः**

| **पाठसङ्ख्या** | **पाठनाम** |
|---|---|
| प्रथम अध्याय | संस्कृतभाषाउद्भवएवंविकासवैदिकसाहित्य |
| तृतीय अध्याय | रामायण, महाभारत एवं पुराण |
| चतुर्थ अध्याय | महाकाव्य |
| पञ्चम अध्याय | ऐतिहासिकमहाकाव्य |
| षष्ठ अध्याय | काव्यकीअन्यविधाएँ |
| सप्तम अध्याय | गद्यकाव्यएवंचम्पूकाव्य |
| नवम अध्याय | नाट्यसाहित्य |
| द्वादश अध्याय | शास्त्रीयसाहित्य |

**पुस्तकानि**

- शाश्वती - द्‌वितीयः भागः (पाठ्यपुस्तकम्) रा. शै. अनु. प्र. परि. द्‌वारा प्रकाशितम् ।
- व्याकरणसौरभम् (संशोधितसंस्करणम्) रा. शै. अनु. प्र. परि. द्‌वारा प्रकाशितम् ।(सहायकपुस्तकम्)
- हायर संस्कृत ग्रामर (एम् आर् कालेलिखितम् )
- रचनानुवादकौमुदी (सहायकपुस्तकम्) कपिलदेवद्‌विवेदीलिखितम् विश्वविद्‌यालयप्रकाशनम्, वाराणसी ।
- संस्कृतसाहित्यपरिचयः (सन्दर्भपुस्तकम्) (संशोधितसंस्करणम्) रा. शै. अनु. प्र. परि. द्‌वारा प्रकाशितम् ।

**भागः "इ" आन्तरिक-मूल्याङ्कनम्**अङ्काः (20)

1. परियोजनाकार्यम् - 10 अङ्काः
2. गतिविधयः - 10 अङ्काः

**उद्देश्यानि –**

- ❖ छात्राणांविविध-जीवन-कौशलानांविकासः।
- ❖ छात्राःसमाजस्यविविध-समस्याःज्ञात्वासमाधानेसमर्थाःस्युः।
- ❖ गवेषणात्मक-चिन्तनशक्तेःविकासः।
- ❖ संस्कृत-जगतःसमस्यानांसम्मुखीकरणम्।
- ❖ छात्राणांसृजनात्मकक्षमतायाःविकासः।
- ❖ श्रवण-भाषण-पठन-लेखनकौशलानांविकासः।
- ❖ आत्मविश्वासस्यसंवर्धनम्।

| **क्र. सं.** | **गतिविधयः** | **उदाहरणानि** | **अङ्काः** | **निर्देशाः** | **मूल्याङ्कनबिन्दवः** |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | परियोजना-कार्यम् | ❖ मिथ्यावार्तायाः (Fake News)दुष्प्रभावाः।<br>❖ अध्ययनेअन्तर्जालस्यउपयोगिता<br>❖ संस्कृतंव्यवहारभाषांकर्तुं समस्याःसमाधानञ्च।<br>❖ "सोशलमीडिया" इत्यस्यसदुपयोगः।<br>❖ भारतीयसंस्कृतौ वैज्ञानिकचिन्तनम् । | 10 | ❖सत्रारम्भेएवविषयःसूचनीयः।<br>❖आवर्षंछात्राःएतेषुविषयेषुअध्ययनंकुर्युः।<br>❖शिक्षकेणसमयेसमयेपरियोजनाकार्यस्यप्रगतिःज्ञातव्याछात्राणांचमार्गदर्शनंकरणीयम्।<br>❖कदाचित्छात्राःसंस्कृतेनलेखितुंकष्टमनुभवन्तितदा | ❖मौलिकता<br>❖विषयसम्बद्धता<br>❖शुद्धता<br>❖समयबद्धता<br>❖प्रस्तुतीकरणम् |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ❖ स्वक्षेत्रेजायमानस्यप्रदूषणस्यकारणानिसमाधानञ्च। <br> ❖ स्वक्षेत्रेस्वच्छभारताभियानस्यस्थितिः। <br> ❖ संस्कृताध्ययनंप्रतिछात्राणाम्उदासीनतायाःकारणानितन्निराकरणोपायाश्च। <br> ❖ आयुष्मद्भारतम्' इतिसर्वकारीय-योजनाविषयेलाभार्थिनां जागरूकतायाःविश्लेषणम्। | | शिक्षकेणसाहाय्यंकरणीयम्। <br> ❖ परियोजनाकार्याणांविवरणं सप्रमाणंसुरक्षितंस्थापनीयम्। <br> ❖ परियोजनाकार्याणिसंस्कृतेनएवभवेयुः। | |
| 2 | श्रवण-भाषण-कौशलम् | ❖ कथा <br> ❖ संवादः/ वार्तालापः <br> ❖ भाषणम् <br> ❖ नाटकम् <br> ❖ वार्ताः <br> ❖ आशुभाषणम् <br> ❖ वार्तावलिः (समूहचर्चा) <br> ❖ संस्कृतगीतानि <br> ❖ श्लोकोच्चारणम् | 05 | ❖ छात्राःकामपिकथांश्रावयितुं शक्नुवन्ति। <br> ❖ शिक्षकःकमपिविषयंसूचयित्वापरस्परंसंवादंकारयितुं शक्नोति। <br> ❖ दूरदर्शनेवार्तावलीइत्याख्यःसंस्कृत-कार्यक्रमःप्रसारितःभवतितं द्रष्टुंछात्राःप्रेरणीयाः। <br> ❖ श्रवण-कौशल-मूल्याङ्कनायशिक्षकःस्वयम्अपिकथांश्रावयित्वातःसम्बद्ध-प्रश्नान्प्रष्टुंशक्नोति। <br> ❖ वर्षेन्यूनातिन्यूनंत्रयःगतिविधयःकारणीयाःतेषुसर्वोत्तमाःअङ्काःग्राह्याः। <br> ❖ विवरणंसप्रमाणंसुरक्षितं स्थापनीयम्। | ❖ उच्चारणम् <br> ❖ शुद्धता <br> ❖ समयबद्धता <br> ❖ प्रस्तुतीकरणम् <br> ❖ आरोहावरोह-गतियति-प्रयोगः |
| 3 | लेखन-कौशलम् | ❖ विविधविषयान्आधृत्य मौलिकलेखनम् <br> ❖ यथा– माता, पिता, गुरुः, | 05 | ❖ छात्राःयथाशक्यंकक्षायामेव लेखनकार्यंकुर्युः। <br> ❖ अत्रपञ्जिका- | ❖ विषय-सम्बद्धता <br> ❖ शुद्धता |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | पर्यावरणम्, विद्या, योगः , समयस्यसदुपयोगः , शिक्षा, अनुशासनम्इत्यादयः।<br>❖ शैक्षिकभ्रमणस्यसंस्कृतेनप्रतिवेदनलेखनम्।<br>❖ दैनन्दिनीलेखनम्।<br>❖ सङ्केताधारितंकथालेखनम्।<br>❖ श्रुतलेखः | | निर्माणम्अपिकारयितुंशक्यते।<br>❖ विवरणंसप्रमाणंसुरक्षितंस्थापनीयम्। | (विशेषतःपञ्चमवर्णस्य प्रयोगः)<br>❖ समयबद्धता<br>❖ सुलेखः<br>❖ प्रस्तुतीकरणम् |

**अवधातव्यम् –**

1.उपर्युक्त-परियोजनाकार्याणि गतिविधयश्च उदाहरणरूपेण प्रदत्ताः सन्ति। एतदतिरिच्य एतादृशाः अन्यविषयाः

अपि भवितुमर्हन्ति ।

**************************